सयिांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

हाल ही में **भारत** ने ब्रह्मपुत्र पर विश्व के सबसे बड़े जलविद्युत बाँध को चीन द्वारा मंज़ूरी दिये जाने पर चिंता जताई, जिससे भारत की **सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना** की योजना को बढ़ावा मिला।

- **परिचय:**
  - यह **अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग ज़िले** में **सियांग नदी (ब्रह्मपुत्र नदी** की एक प्रमुख सहायक नदी) के पास स्थित है।
  - सियांग नदी, तिब्बत में कैलाश पर्वत के निकट यारलुंग त्सांगपो के नाम से निकलती है, तथा पूर्व की ओर 1,000 किलोमीटर से अधिक तक बहती है।
    - असम में यह **दिबांग एवं लोहित** नदियों के साथ मिलकर ब्रह्मपुत्र के नाम से जानी जाती है।
    - यह अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने से पहले **नामचा बरवा चोटी के चारों ओर एक घोड़े की नाल के आकार** का मोड़ बनाती है।
- **भारत के लिये सामरिक महत्त्व**:
  - **इसका उद्देश्य यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र)** पर चीन की **जलविद्युत परियोजनाओं** को प्रतिसंतुलित (जिससे **भारत की जल सुरक्षा प्रभावित** हो सकती है) करना है।
  - **इससे निचले इलाकों में बाढ़** का खतरा (विशेषकर **चीन द्वारा ऊपरी इलाकों में जल छोड़े जाने** के कारण) कम हो सकता है।
  - इस परियोजना की **स्थापित क्षमता 11,000 मेगावाट** होगी, जिससे यह **जलविद्युत** की प्रमुख स्रोत बन जाएगी।
  - **इससे वर्ष भर नदी जल का प्रवाह** सुनिश्चित होने से कृषि को समर्थन मिलेगा।
  - **हालाँकि, ऊपरी सियांग एवं सियांग ज़िलों की आदी जनजाति** के कई निवासियों के समक्ष प्रस्तावित परियोजना के कारण अपनी कृषिभूमि एवं घरों को खोने का डर बना हुआ है।

//

और पढ़ें: [चीन तिब्बत में बना रहा नया बाँध]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/siang-upper-multipurpose-project